- चीन का "**उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन**" मुख्यत: **श्रम-गहन गतिविधियों,** विशेष रूप से "नेटवर्क उत्पादों", में वृहद स्तर पर विशिष्टीकरण से संचालित था। नेटवर्क उत्पादों के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी को 0.6% के वर्तमान स्तर से बढ़ाकर वर्ष 2025 तक 3.6% तक ले जाने से अगले **पांच वर्षों के दौरान देश में 38.5 मिलियन अतिरिक्त रोजगार का सृजन करना संभव होगा।** इसके अतिरिक्त, वर्ष 2030 तक इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 6.1 प्रतिशत तक करने से अगले दस वर्षों में 82.2 मिलियन अतिरिक्त रोजगार का सृजन करना संभव होगा।

इस क्रम में, एप्पल ने तमिलनाडु और कर्नाटक में विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, देश को असेंबली संबंधी गतिविधियों हेतु एक आकर्षक स्थल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि मध्यवर्ती आगतों के लिए आयात प्रशुल्क दरों को नगण्य बनाया जाए।

7. Explain the working of Private Finance Initiative (PFI) model. Also, discuss its significance in the Indian context. (150 words) 10

निजी वित्त पहल (PFI) मॉडल की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारतीय संदर्भ में इसके महत्व की भी विवेचना कीजिए।

दृष्टिकोण:

- परिचय में, निजी वित्त पहल (PFI) मॉडल की व्याख्या कीजिए।
- भारत की विशिष्ट व्यवस्था के संदर्भ में इसके महत्व की विवेचना कीजिए।
- इसके कुछ प्रमुख मुद्दों को रेखांकित करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:

निजी वित्त पहल (PFI) एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल है जहां **निर्माण-स्वामित्व-परिचालन मॉडल** के समान ही निजी क्षेत्रक किसी सुविधा का निर्माण, स्वामित्व और परिचालन करता है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्रक (निर्माण-स्वामित्व-परिचालन मॉडल में उपयोगकर्ताओं के विपरीत) एक दीर्घकालिक समझौते (सामान्यत: 25-30 वर्ष) के माध्यम से निजी क्षेत्रक से सेवाओं की खरीद करता है। इसलिए, PFI परियोजनाएं किसी न किसी तरह सरकार के प्रत्यक्ष वित्तीय दायित्वों का वहन करती हैं। PFI मॉडल में, अनुबंध अवधि की समाप्ति पर संपत्ति का स्वामित्व सार्वजनिक क्षेत्रक को अंतरित किया जा सकता है या नहीं भी किया जा सकता है। भारत में **राष्ट्रीय राजमार्गों के वित्तपोषण के लिए वार्षिकी मॉडल** PFI मॉडल का एक उदाहरण है।

PFI मॉडल की कार्यप्रणाली:

- इस मॉडल में, सार्वजनिक क्षेत्रक एक **दीर्घकालिक समझौते** के माध्यम से निजी क्षेत्रक से अवसंरचना सेवाओं की खरीद करता है।
- PFI परियोजना को एक निश्चित अनुबंध अवधि पर सरकार द्वारा न्यूनतम भुगतान या एक निश्चित वार्षिक भुगतान के लिए न्यूनतम अनुबंध अवधि या इन दोनों का संयोजन करके निर्मित किया जा सकता है।
- अनुबंध अवधि की समाप्ति पर संपत्ति का स्वामित्व सामान्यत: सार्वजनिक क्षेत्रक को सौंप दिया जाता है। PFI मॉडल में, विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) की स्थापना करना सदैव आवश्यक नहीं होता है।
- PFI मॉडल में सर्वाधिक प्रयोग किया जाने वाला स्वरूप **अभिकल्पन, निमार्ण, वित्तीयन और संचालन (Design, Build, Finance and Operate: DBFO)** है। DBFO के अंतर्गत, निजी क्षेत्रक भागीदार निर्दिष्ट किए गए विवरण के अनुरूप सुविधा का प्रावधान तथा दीर्घकालिक संचालन करता है। निजी क्षेत्रक भागीदार को पूरी अनुबंध अवधि के दौरान उसके निष्पादन के आधार पर सार्वजनिक धन से नियमित रूप से भुगतान किया जाता है। यदि निजी क्षेत्रक भागीदार का निष्पादन लक्ष्य प्राप्त करने में असफल रहता है, तो इसका भुगतान कम कर दिया जाता है।